Literacy for a Billion

Movie: Gazal
Year: 1964

Song: Ishq Ki Garmi E Jazbaat
Lyricist: Sahir Ludhianvi

इश्क़ की गर्मिए जज़्बात
किसे पेश करूँ
इश्क़ की गर्मिए जज़्बात
किसे पेश करूँ
ये सुलगते हुए दिन रात
किसे पेश करूँ
इश्क़ की गर्मिए जज़्बात
किसे पेश करूँ
इश्क़ की गर्मिए
हुस्न और हुस्न का
हर नाज़ है पर्दे में अभी
हुस्न और हुस्न का
हर नाज़ है पर्दे में अभी
अपनी नज़रों की शिकायात
किसे पेश करूँ
अपनी नज़रों की शिकायात
किसे पेश करूँ
इश्क़ की गर्मिए

तेरी आवाज़ के जादू ने
जगाया है जिन्हें
तेरी आवाज़ के जादू ने
जगाया है जिन्हें
वो तसव्वुर वो ख़यालात
किसे पेश करूँ
वो तसव्वुर वो ख़यालात
किसे पेश करूँ

इश्क़ की गर्मिए
ए मेरी जाने ग़ज़ल
ए मेरी ईमाने ग़ज़ल
ए मेरी जाने ग़ज़ल
ए मेरी ईमाने ग़ज़ल
अब सिवा तेरे ये नग़मात
किसे पेश करूँ
अब सिवा तेरे ये नग़मात
किसे पेश करूँ
इश्क़ की गर्मिए

कोई हमराज़ तो पाऊँ
कोई हमदम तो मिले
कोई हमराज़ तो पाऊँ
कोई हमदम तो मिले
दिल की धड़कन के इशारात
किसे पेश करूँ
दिल की धड़कन के
कोई हमराज़ तो पाऊँ
कोई हमदम तो मिले
दिल की धड़कन के इशारात
किसे पेश करूँ
इश्क़ की गर्मिए जज़्बात
किसे पेश करूँ
ये सुलगते हुए दिन रात
किसे पेश करूँ
इश्क़ की गर्मिए

Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.

PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.